मासिक पत्रिका मार्च 2020

"सब काम धर्मानुसार, अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करना चाहिए।"-महर्षि दयानन्द सरस्वती

॥ ओ३म् ॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

ARYA SAMAJ KAILASH–GREATER KAILASH–I (Regd.) Regn. No. 3594/1968

New Delhi-110048 • Tel.: 46678389, 29240762 • E-mail : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

विजय लखनपाल
प्रधान

राजेन्द्र कुमार वर्मा
मंत्री

विजय भाटिया
कोषाध्यक्ष

महान क्रान्तिकारी ग्रन्थ-सत्यार्थ प्रकाश

साभार: आर्यावर्त केसरी, जून 2019

युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द जी ने एक महान ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश की संरचना की। यह ग्रन्थ वैदिक धर्म, संस्कृति, सभ्यता, राष्ट्रवाद, स्वराज्य, स्वदेशी, नाना प्रकार के मत मतान्तर सम्प्रदाय आदि के लिए एक क्रान्तिकारी ग्रन्थ सिद्ध हुआ।

अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश 1874 में लिखा गया। मुरादाबाद के राजा जयकृष्णदास जब काशी में डिप्टी कलेक्टर थे, तब ऋषि दयानन्द काशी पधारे थे। राजा जयकृष्णदास ने ऋषि से कहा-आपके उपदेशामृत से वे ही व्यक्ति लाभ उठा सकते हैं, जो आपके व्याख्यान सुनते हैं, जिन्हें आपके व्याख्यान सुनने का अवसर नहीं मिलता, उनके लिए अगर आप अपने विचारों को ग्रन्थ रूप में लिख दें, तो जनता का बड़ा उपकार हो। ग्रन्थ के छपने का भार राजा ने अपने ऊपर ले लिया। आर्यसमाज के मिश्नरी व उद्भट मनीषी पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी ने सत्यार्थ प्रकाश 14 बार पढ़ा और उन्होंने कहा कि हर बार उन्हें नया रत्न हाथ आता है। जिन्होंने सत्यार्थ प्रकाश का गहराई से अध्ययन किया है, उन्होंने पाया है कि इसमें 377 ग्रन्थों का हवाला है। इस ग्रन्थ में 1542 वेदमंत्रों तथा श्लोकों का उदाहरण दिया गया है। चारों वेद, सब पुराण ग्रन्थ, सब उपनिषद, छः दर्शन, अठ्ठारह स्मृति ग्रन्थ, सूर्य पुराण, सूर्य ग्रन्थ, जैन-बौद्ध ग्रन्थ, बाइबिल, कुरान-सबका उदाहरण ही नहीं, उनका संदर्भ भी दिया गया है। किस ग्रन्थ में कौन-सा मंत्र या श्लोक वाक्य कहाँ है, उनकी संख्या क्या है-वह सब-कुछ इस ग्रन्थ में मिलता है। इस सत्यार्थ प्रकाश के अनुशीलन से एक नवीन धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक दृष्टिकोण का उदय होता है।

ऐसे विचार, जिन्हें इस युग में कोई सोच भी नहीं सकता था। समाज की रचना जन्म के आधार पर न होकर कर्म के आधार पर होनी चाहिए। यह एक विचार इतना क्रान्तिकारी है कि इसकी क्रिया से हमारी 90 प्रतिशत समस्यायें हल हो सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली का विचार सत्यार्थ प्रकाश की देन है। लोकमान्य तिलक ने कहा था कि स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। दादाभाई नौरोजी ने स्वराज्य शब्द का प्रयोग किया था। किंतु इनसे भी पहले ऋषि दयानन्द ने सत्यार्थ प्रकाश के आठवें समुल्लास में लिखा था कि 'कोई कितना भी कहे, परन्तु जो स्वदेशी राज्य होता है, वह सर्वोपरि-सर्वोत्तम होता है।'

वर्तमान में जिन समस्याओं को लेकर हम उलझे रहते हैं, उन सबका निदान सत्यार्थ प्रकाश में मिलता है। जैसे हरिजनों की समस्या, स्त्रियों की समस्या, गरीबी की समस्या, देश-भाषा की समस्या, चुनाव की समस्या, नियम तथा व्यवस्था की समस्या, गोरक्षा की समस्या, नसबन्दी की समस्या, आचार की समस्या, नवयुवकों की समस्या-इन सभी समस्याओं का हल सत्यार्थ प्रकाश में पहले से ही दिया है।

हमारे समाज की सबसे बड़ी समस्या वेदों की थी। हर कोई वेदों के नाम लेकर कहता था-स्त्रियों और शूद्रों को वेद पढ़ने का अधिकार नहीं है, क्योंकि वेदों में लिखा है-"स्त्री शूद्रो ना धीयताम।" बाल विवाह क्यों होना चाहिए? क्योंकि वेदों में लिखा है। जन्म से वर्ण व्यवस्था क्यों मानें? क्योंकि वेदों में लिखा है।-'ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीत:' अर्थात् ब्राह्मण परमात्मा के मुख से, और शूद्र उसके पांव से उत्पन्न हुए हैं। जब ऋषि दयानन्द ने यह देखा कि वेदों का नाम लेकर हर संस्कृत वाक्य

को वेद कहा जा रहा है, और वेदों का उदाहरण देकर वेदमंत्रों का अनर्थ किया जा रहा है, तो उन्होंने निश्चय किया कि वेदों को केन्द्र बनाकर हिन्दू समाज की रक्षा की जा सकती है।

वेदों के संबन्ध में ऋषि दयानन्द की एक और बड़ी खोज यह थी कि वेदों के शब्द रूढ़ि नहीं, यौगिक हैं। वेदों के उस समय के सभी विद्वानों, भाष्यकारों ने वैदिक शब्दों के रूढ़ि अर्थ ही किये थे। सायण, महीधर, मैक्समूलर, रॉथ, विल्सन, ग्रासमैन ने एक-दूसरे की देखा-देखी अर्थ किये थे। किन्तु ऋषि दयानन्द जी ने इस विचारधारा को भी ठोकर मार दी, और वेदों के यौगिक अर्थ करके वेदों के प्रति संसार को नया मार्ग दिखाया। ऋषि दयानन्द ने हिन्दुओं को हिन्दू रहते हुए उन्हें नवीन विचारधाराओं में रंग दिया। कोई वृक्ष जड़ के बिना खड़ा नहीं रह सकता। कोई समाज अपने मूल के बिना नहीं जी सकता। ऋषि दयानन्द जी ने इसी गुर को पकड़ा। उन्होंने कहा कि 'वेदों की ओर लौटो' और तब आगे भविष्य की तरफ पग बढ़ाओ। भूत को छोड़ दोगे तो वृक्ष की जड़ कट जाएगी। भविष्य को नहीं देखोगे, तो उठ नहीं सकोगे। यह ऋषि दयानन्द के सत्यार्थ प्रकाश का संदेश है। यही ऋषि दयानन्द के वेदभाष्य का भी संदेश है। निश्चय ही सत्यार्थ प्रकाश एक ऐसा अद्‌भुत ग्रन्थ है जिसकी मौजूदगी में कोई मत, पंथ, सम्प्रदाय अपनी शेखी नहीं बघार सकता। यह वेद सम्मत एक क्रान्तिकारी ग्रन्थ है जो हर घर में होना ही चाहिए। आओ हम जन-जन तक इसे पहुंचाने का संकल्प लें।

■■

गुड़ के लाभ

-हरिश्चन्द्र आर्य

साभार: आर्यावर्त केसरी

वीर्यवर्द्धक, भारी, स्निग्ध, वायु नाशक और मूत्र संशोधक है। गुड़ मेदकृमि तथा बल को बढ़ाता है। नया गुड़ कफ, श्वास, खांसी कृमि और अग्नि को बढ़ाता है। पुराना गुड़ हल्का पथ्य, चिकनाहट से नाड़ियों को अवरोधक, शरीर में गुरुता न लाने वाला, अग्निवर्धक पित्तानाशक है। मधुर मैथुनशक्ति बढ़ाने वाला, वायुनाशक और रक्त को स्वच्छ करने वाला है। अतिशय पुराना गुड़ प्रयोग में नहीं लाना चाहिए, यह मान्यता गलत है। पुराना गुड़ गुणकारी है।

पुराने गुड़ को अधिक और अत्यंत पथ्य मानते हैं। पुराने गुड़ को हृदय के लिए हितकारी माना जाता है।

वैज्ञानिक मत:

100 ग्राम गुड़ में 180 मिली ग्राम खनिज द्रव्य है। शक्कर में खनिज द्रव्यों और क्षारों का अभाव है। इसलिए शक्कर की अपेक्षा गुड़ ठीक है। गुड़ में विटामिन बी1, बी2, सी और अल्पमात्रा में विटामिन ए का पूर्ण स्वरूप कैरोटीन है। आधा छंटाक गुड़ से अधिक उष्मांक (कैलोरी) प्राप्त होता है।

गुड़ में मौजूद तत्व

(प्रति 100 ग्राम गुड़ में)

ग्लूकोज 29 प्रतिशत, खनिज द्रव्य 3.26 प्रतिशत, जल 8.66 प्रतिशत, सुक्रोज 29.8 प्रतिशत है।

इसके अलावा लोहा, प्रोटीन, आयोडीन, विटामिन ए तथा बी कॉम्पलैक्स भी भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं।

उपयोग:

1. मेहनत करने के बाद गुड़ खाने से थकावट उतर जाती है।
2. आहार और औषध में पुराने गुड़ का उपयोग करना हितकर है।
3. गुड़ में शक्कर की अपेक्षा 33 प्रतिशत अधिक पोषक तत्व होते हैं।
4. गुड़ तुरन्त ही पच जाता है।
5. शरीर को इसके पाचन के लिए विशेष श्रम नहीं करना पड़ता।
6. अदरक के साथ लेने पर कफ दूर करता है।
7. गुड़ श्रमजीवियों व किसानों का जीवन है।
8. गुड़ जैसे-जैसे पुराना होता जाता है, अधिक शीतल होता जाता है।
9. बाजरे की मोटी रोटी और गुड़ सर्दियों में पौष्टिक आहार है।
10. अतिशय पुराना गुड़ उपयोग में नहीं लेना चाहिए।
11. गुड़ में मौजूद तत्व शरीर को उष्मा पहुँचाते हैं।
12. गुड़ हड्डियों को पोषण प्रदान करता है।
13. गुड़ खाने के बाद दांतों की सफाई अच्छी प्रकार करें।
14. बाजारू मिठाई और चीनी की अपेक्षा गुड़ श्रेष्ठ है।

■■

मार्च 2020 मास में साप्ताहिक सत्संग

दिनांक	वक्ता	विषय
01	डॉ. महेश विद्यालंकार (011-47064357)	क्या इच्छाओं का दमन कल्याणकारी है?
08	आचार्य वीरेन्द्र विक्रम (9899908766)	नवसस्येष्ठी होली (वसन्तोत्सव)
15	डॉ. उमा आर्य (8882387821)	अध्यात्म और भौतिकवाद एक दूसरे के पूरक हैं।
22	डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री (9999426474)	आर्य समाज की स्थापना।
29	श्री नरेश सोलंकी (9717637632)	भजन

फरवरी मास में प्राप्त दान राशिः—

नाम	राशि	नाम	राशि	नाम	राशि
तनेजा फाउण्डेशन - श्री आर.के. तनेजा	20,000/-	श्री राजीव भटनागर	2,500/-	श्री आर.के. सुमानी	1,000/-
		श्रीमती पूनम ओम कुमार	2,500/-	श्रीमती चंदू सुमानी	1,000/-
श्री अनिल वर्मा	11,000/-	श्रीमती सतीश सहाय	2,100/-	श्री गौरव सुमानी	1,000/-
श्री राजीव चौधरी	5,100/-	श्री एस.के. भल्ला	2,100/-	श्रीमती उषा मरवाह	1,000/-
श्री विजय प्रकाश सभरवाल	5,100/-	श्रीमती सुधा गर्ग	2,100/-	श्री कमलेश कुमार वोहरा	1,000/-
श्री विजय भाटिया	5,100/-	श्री गेरा	2,100/-	श्री रोहित पंडित	1,000/-
श्रीमती शालिनी खन्ना	3,100/-	श्रीमत चन्द्रप्रभा खाण्डपुर	1,600/-	श्री के.के. कौल एवं परिवार	700/-
श्रीमती ऋचा चौधरी अहुजा	3,100/-	श्रमीती किरण मोहन	1,100/-	श्री राजन सबरा	500/-
श्रमीती मोहिता अबरोल	3,100/-	श्री अमर सिंह पहल	1,100/-		
श्री विनोद कुमार मल्होत्रा	3,100/-	श्री योगेश मुंजाल	1,100/-		

पुरोहित द्वारा एकत्रित धनराशि : ❖ आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ₹ 15,200/-

वैदिक सैन्टर के लिए प्राप्त दान राशि :

❖ मोहन मक्कड़ ऐजूकेशन एवं चैरिटेबल ट्रस्ट - श्रीमती किरण मोहन ₹ 1,25,000/-

❖ श्री अनिल वाधवा ₹ 11,000/- ❖ श्री नितिन बाली ₹ 11,000/-

अन्य दान : ❖ श्री आई.पी. वाधवा - 1 Wheel Chair

❖ स्व. श्री पी.के. कोहली एवं श्रीमती कृष्णा कोहली - 5 Ceiling Fans

सूचनाएँ-

❖ **होली मिलन -** मंगलवार 10 मार्च 2020 का कार्यक्रम - प्रातः 8:00 से 9:00 बजे तक यज्ञ तत्पश्चात् प्रातः 9:00 से 9:30 बजे तक पुष्प-चन्दन द्वारा होली तथा जलपान की व्यवस्था है। इस अवसर पर सभी आमंत्रित हैं।

❖ **महिला माघ यज्ञ-** समाज में 51 वर्षों से माघ यज्ञ को आयोजन होता है। इस वर्ष यह यज्ञ 14 जनवरी 2020 से 13 फरवरी 2020 तक मनाया गया। इसमें अथर्वेद का अर्थ सहित पाठ किया गया। पूर्णाहुति के दिन यज्ञशाला में अन्य समाजों से महिलायें उपस्थित रहीं। श्रीमती वीना आर्य विशेष अतिथि थी। डॉ. पुनीता शर्मा का प्रवचन बहुत प्रभावशाली था। उन्होंने सन्ध्या की उपयोगिता के विषय में विस्तार से बताया आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ने बताया कि अथर्वेद में आयुर्वेद का वर्णन है।

डॉ. महेश विद्यालंकार ने ध्यान-चिंतन पर जोर डाला। अपने आर्य समाज महिला सत्संग की पूर्व मन्त्राणी श्रीमती प्रेम शर्मा को श्रीमती अमृत पॉल से शाल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के पश्चात् ऋषि लंगर का आयोजन किया गया।

॥ ओ३म् ॥

Regn. No. 3594/1968

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

New Delhi-110048 • Tel.: 46678389, 29240762 • E-mail : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

होली की उमंग

चन्दन की खुशबु और पुष्पों की सुगन्ध के संग

दिनांक : 10 मार्च 2020 (मंगलवार)

यज्ञ, होली पुष्पों तथा चंदन द्वारा-तत्पश्चात् जलपान

समय : प्रातः 8:00 से 9:30 तक

पर्व ये ऐसा जब रंग सारे खिलते हैं,
जीवन पे पसरी नीरसता मिटती है,
होती है प्रसन्नता सभी ओर,
नयी उमंग में सब संग बढ़ते हैं।

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

ULTRA SOUND

Facility is available at
Arya Samaj Kailash-Greater Kailash-I

₹ 400/-

Dr. Komal Jain
Radiologist
Mon. to Sat. - 10:00 - 11:00 am

Dr. Pradeep Dutta
MBBS, DMRD
Radiologist
Tue., Thurs. & Sat. - 8:30 to 9:00 am

ARYA SAMAJ KAILASH GREATER KAILASH-1

Rotary Club Delhi South

21st CENTURY
SKILL DEVELOPMENT CENTRE
COOKING & BAKING CLASSES

in association with Singer®
conducted under a very qualified professional lady teacher

Only for Women

COURSE STARTING 5th FEB.2020

- Certificate Course of 2 Months
  Fees : ₹ 300/- per month

Food Craft taught in a Modern Kitchen with latest Gadgets.

- Chinese
- Continental
- Indian
- Baking

Timing
2 PM - 4:00 PM
Mon, Wed, Fri.

मेरी रसोई — एक नई पहचान.

VENUE : ARYA SAMAJ KAILASH-GREATER KAILASH-I
B-31/C, Kailash Colony, New Delhi-110048
For Admission and Enquiry :
Please Contact Office : 011-29240762, 46678389
Teacher : Ms. Satinder : 9911766000